जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 72 प्रभात बीकानेर, बुधवार 2 अक्टूबर, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

मुख्यमंत्री ने कॉनक्लेव को राज्य के व्यापार-अनुकूल बदलावों की जानकारी दी

राइज़िंग राजस्थान समिट के तहत आयोजित इस कॉनक्लेव में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राईज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमैंट समिट 2024 के तहत नई दिल्ली में आयोजित कॉन्क्लेव में केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित किया।

- कॉनक्लेव में भाग लेने वालों में प्रमुख थे, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, भारत इलैक्ट्रॉनिक्स, कॉनकोर, एन.टी.पी.सी., स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया, इण्डियन ऑयल, सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन, आई.टी.डी.सी., फर्टीलाइजर कॉरपोरेशन, न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन, डी.आर.डी.ओ. आदि।

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। नई दिल्ली में निवेशकों की बैठक के बाद राजस्थान सरकार ने केन्द्र सरकार के स्वामित्व वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के संग आज एक कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्हें राज्य में मौजूद व्यवसाय व निवेश के बारे में बताया और उन्हें प्रदेश में कारोबार बढ़ाने और नए निवेश करने का न्यौता दिया।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले राजस्थान सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने इस अवसर पर 50 से अधिक केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारियों को राज्य के व्यापारिक परिदृश्य, निवेश के नए अवसरों और राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे प्रमुख व्यापार-अनुकूल बदलावों की जानकारी दी। इस सैंट्रल पब्लिक सैक्टर एंटरप्राइज़ेज़ (सी.पी.एस.ई.) कॉन्क्लेव में भाग लेने वाले सार्वजनिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'दूसरे राज्यों से तुलना अपनी कमी छुपाने का प्रयास'

जयपुर, 1 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने विधि विज्ञान प्रयोगशाला में बढ़ते लंबित जांच रिपोर्ट मामले में कहा, राज्य सरकार ने अपनी रिपोर्ट में दूसरे राज्यों का हवाला देते हुए यह बताने का प्रयास किया है कि वहां भी स्थिति संतोषजनक नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा, दूसरे राज्यों से तुलना कर राज्य सरकार की ओर से अपनी कमियों को छिपाने का प्रयास निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। राज्य सरकार के जिम्मेदार अधिकारी यदि इस प्रकार अनुचित तुलना करने के बजाए व्यवस्था सुधार पर ध्यान देंगे तो ज्यादा बेहतर होगा। इसके साथ ही अदालत ने

- हाई कोर्ट ने एफ.एस.एल. में लम्बित जाँच रिपोर्ट के मुद्दे पर राज्य सरकार को फटकार लगाई।

मुख्य सचिव को शपथ पत्र पेश कर बताने को कहा है कि एफ.एस.एल. को संसाधन उपलब्ध कराने के राज्य सरकार की ओर से किए गए बजट आवंटन को लेकर क्या किया गया है और मुख्य सचिव यह भी बताएं कि वे इस प्रकरण में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे आरोपी को सांकेतिक तौर पर मुआवजा देने के लिए सहमत हैं या नहीं। जस्टिस उमाशंकर व्यास की एकलपीठ ने यह आदेश अर्जुन नरवाला की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। ए.डी.एस. और डी.जी.पी. अदालत में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान ने इज़राइल पर हमला किया

सूत्रों के अनुसार ईरान ने देर रात दस बजे इज़राइल पर 180 से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइल दागीं

- हमले के बाद ईरान ने कहा कि यह नसरल्लाह की शहादत का बदला है, यह तो अभी शुरुआत है।
- इधर इज़राइल ने कई मिसाइलों को हवा में ही नष्ट करने का दावा किया और अपने लोगों को बम शैल्टर्स में जाने की हिदायत दी है।
- इज़राइल पर ईरान के हमले के बाद अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने नैशनल सिक्यूरिटी टीम के साथ बैठक की।

नयी दिल्ली, 01 अक्टूबर। ईरान ने इज़राइल पर मंगलवार की देर रात 10 बजे हमला कर दिया और 180 से ज्यादा मिसाइलें दागीं। इजराइली सरकार ने अपने नागरिकों से बम शेल्टर में जाने को कहा है। पूरे देश में सायरन बज रहे हैं। अमेरिका ने कुछ घंटे पहले हमले का दावा किया था। हमले के बाद ईरान ने कहा कि नसरल्लाह की शहादत का यह पहला बदला है। यह तो अभी शुरुआत है।

उधर, इज़रायल डिफैंस फोर्सेज (आई.डी.एफ.) के एक अधिकारी ने कहा, इजराइल का एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव है। वह खतरों का पता लगा रहा है और जहां जरूरत है वहां उन्हें रोक रहा है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि ये इजराइल से बदला लेने की शुरुआत है।

हालांकि, इजरायल का कहना है कि उसने कई मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया ह और नागरिकों को सतर्क करते हुए कहा है कि हम सब जरूरी इंतजाम कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिसाइलें दागने के बाद ईरान ने इज़रायल को खुली धमकी देते हुए कहा है कि युद्ध का करारा जवाब मिलेगा।

ईरान ने दावा किया है कि इस हमले में इजरायल में भारी नुकसान हुआ है। उधर आईडीएफ की तरफ से कहा गया है कि ईरान के हमले में लगभग 1 करोड़ लोग निशाने पर थे। ईरान की ओर से इज़राइल पर रॉकेट दागे जाने के कारण सभी इज़राइली नागरिक बम आश्रय स्थलों में हैं।

बाइडन ने इमरजेंसी बैठक की। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उप राष्ट्रपति कमला हैरिस और नेशनल सिक्योरिटी टीम के साथ बैठक की। इस बैठक में ईरान के इज़राइल पर हमले की चर्चा की गई। साथ ही इजराइल को इस हमले से कैसे बचाया जाए और इजराइल में फंसे अमेरिकियों की मदद की क्या तैयारी है, इस पर बात हुई।

जानकारी के मुताबिक, ईरानी प्रोजेक्टाइल के निशाने पर 10 मिलियन नागरिक हैं। इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी शेल्टर में गए हैं और वहां से अपडेट प्राप्त कर रहे हैं। पूरे इज़रायल में सायरन बज रहे हैं। इजरायल की ओर जाते समय जॉर्डन के हवाई क्षेत्र में ईरानी मिसाइलों को रोका गया है।

अमेरिका के रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कहा है कि ईरान को, इज़रायल पर सीधे हमले के गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा, मैंने अपने इजरायली समकक्ष के साथ ईरान को भुगतने वाले गंभीर परिणामों पर चर्चा की है। इज़रायल की ओर ईरानी मिसाइलों की पहली लहर के बाद इराक ने हवाई क्षेत्र बंद करने की घोषणा की है।

कई दशकों के इंतज़ार के बाद शिगेरु जापान के प्र.मंत्री बने

हालांकि, शिगेरु की वर्षों की महत्वाकांक्षा अब पूरी हुई, पर, प्र.मंत्री के रूप में उनकी यात्रा काफी कठिन नज़र आ रही है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। ईशीबा शिगेरु ऐसे समय पर जापान के नए प्रधानमंत्री बने हैं, जब जापान एक तरह से दोराहे पर खड़ा है।

शिगेरु लंबे समय से हाशिए पर थे। नेता के रुप में उभरने के उनके प्रयास कई बार नाकाम हुए। लेकिन, जब पिछले प्रधानमंत्री को बदनामी की स्थिति में पद छोड़ना पड़ा, जब जाकर ही शिगेरु प्रधानमंत्री पद पर दावा कर पाए।

अब उन्हें वो पद मिल गया है, जिसे पाने की लालसा उन्हें लंबे समय से थी, लेकिन उनके लिए यह राह असान नहीं होगी। तीन दशकों से जापान पिछड़ रहा है। "लॉस्ट डीकेड्स" के नाम से पुकारे जाने वाले और 1990 से शुरु हुए इन दशकों में जापान गिरते दामों का सामना कर रहा था। अर्थव्यवस्था में कोई ग्रोथ दिखाई नहीं दी तथा आमतौर से, जिसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जापान की सभी मुश्किलों की जड़ है, उसकी घटती जनसंख्या। घटती आबादी के कारण गांव खाली हो रहे हैं, बच्चों के स्कूल बंद हो रहे हैं, क्योंकि इतने बच्चे नहीं हैं जिन्हें पढ़ाने के लिए क्लासें लगाई जाएं, फैक्टरियां बंद हो रही हैं, क्योंकि मजदूर नहीं हैं।
- इस घटती जनसंख्या का एक पहलू यह भी है कि 30 प्रतिशत जनसंख्या 60 साल से अधिक आयु की है, अतः उनकी पैन्शन व स्वास्थ्य संबंधी अवश्यकता को पूरा करने के लिए देश की आय का बड़ा अंश लग जाता है।
- समस्या और गंभीर इसलिये हो जाती है, क्योंकि जापान की बहुत सख्त नीति है, बाहरी लोगों को जापान आकर बसने देने के मामले में। संकट का एक समाधान हो सकता था, अगर महिलाओं की औद्योगिक व अन्य व्यावसायिक कामों में हिस्सेदारी बढ़ायी जाये, पर, यह भी इतना आसान नहीं है, क्योंकि जापानी समाज का एक बड़ा धड़ा मानता है कि देश की गिरती जनसंख्या बढ़ाने में महिलाओं की सक्रिय भूमिका होनी चाहिये, अतः उन पर और काम न लादा जाये।

तिरुपति लड्डू विवाद की सुनवाई 3 अक्टूबर को

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति लड्डू प्रकरण में आंध्र प्रदेश की एस.आई.टी. जांच पर रोक लगा दी है और अब अगली सुनवाई 3 अक्टूबर को होगी। यह विवाद मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू द्वारा शुरु किया गया था। उन्होंने कहा था कि तिरुपति मंदिर प्रसाद के लड्डुओं में पशु चर्बी पाई गई थी।

- सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति लड्डू की जाँच के लिए आंध्र प्रदेश सरकार की एस.आई.टी. जाँच पर भी रोक लगा दी है।

रेड्डी ने मुख्यमंत्री के इस आरोप का खंडन किया था और उनके ऊपर "भगवान के नाम पर राजनीति" करने का आरोप लगाया था। रेड्डी ने कहा कि उनके कार्यकाल में कोई मिलावट नहीं की गई थी। उन्होंने मुख्यमंत्री को आदतन झूठ बोलने वाला बताया। नायडू ने गुजरात की एक निजी लैब की रिपोर्ट को उद्धृत करते हुए कहा था कि लड्डुओं के घी में पशु चर्बी मिली हुई थी।

पर्यावरण एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक दिल्ली बॉर्डर पर गिरफ्तार

वांगचुक ने पुलिस स्टेशन में अनिश्चितकालीन अनशन शुरु किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। विपक्ष ने क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की दिल्ली पुलिस द्वारा दिल्ली सीमा पर साथियों सहित गिरफ्तारी की कड़ी आलोचना की है। वांगचुक लद्दाख के लिए छठी अनुसूची के स्टेटस की मांग के लिए दिल्ली मार्च पर आए हैं। वांगचुक ने पुलिस थाने में अनिश्चितकालीन अनशन शुरु कर दिया है।

वांगचुक के एक सितम्बर को लेह से "दिल्ली चलो" पदयात्रा शुरु की थी। इस पदयात्रा को लेह अपैक्स बॉडी (एल.ए.बी.) और कारगिल डैमोक्रटिक एलायंस का समर्थन प्राप्त है।

ये समूह लद्दाख को राज्य बनाए जाने और संविधान की छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा प्रदान करने, लोक सेवा आयोग, लेह व कारगिल के लिए पृथक लोकसभा सीट देने की मांग कर रहे हैं, पर जैसे ही वांगचुक का काफिला 30 सितम्बर को दिल्ली पहुंचा, उन्हें सीमा पर ही रोक लिया गया और दिल्ली पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। विपक्षी नेताओं ने इसे अलोकतांत्रिक कदम बताया।

डिटेन किए जाने से पहले वांगचुक ने दिल्ली बॉर्डर से जहां पुलिस ने उनकी बसों को रोका था, की तस्वीरें शेयर की थीं और लिखा था, ऐसा लगता है, हमें सुरक्षा नहीं दी जा रही है, बल्कि हमें हिरासत में लिया जा रहा हैं।

दिल्ली पुलिस ने कानून और व्यवस्था के प्रति चिंता जताते हुए प्रदर्शनकारियों के दिल्ली के करीब आने से पहले ही सैंट्रल दिल्ली और आस पास के क्षेत्र में 5 से ज्यादा लोगों के एकत्र होने पर रोक लगा दी थी।

पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा के आदेश से भारतीय नागरिक संहिता की धारा 163 (पूर्व की धारा 144) लागू कर दी गई है जिसके तहत 6 दिन तक विरोध प्रदर्शनों पर रोक है।

विपक्षी नेताओं ने इसकी कड़ी आलोचना की। राहुल गांधी ने वांगचुक एवं लद्दाखी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने को अस्वीकार्य करार दिया।

गांधी ने "एक्स" पर लिखा कि वे पर्यावरण व संवैधानिक अधिकार के लिए शांतिपूर्ण मार्च कर रहे है।

सोनम वांगचुक लद्दाखी प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी अस्वीकार्य है। उन्होंने पूछा कि दिल्ली सीमा पर लद्दाख के भविष्य के लिए खड़े होने वाले बुजुर्गों को हिरासत में क्यों लिया जा रहा है। मोदी जी, किसानों की तरह यह चक्रव्यूह भी टूटेगा और आपका अहंकार भी। आपको लद्दाख की आवाज सुननी होगी।

आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि अमित शाह, प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा कर क्या रहे हैं। दिल्ली में भाजपा गैंगस्टर्स को पूर्ण सुरक्षा देती है, पर सोनम वांगचुक जैसे लोग जो देश को प्यार करते हैं, के साथ आतंकी जैसा व्यवहार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- वांगचुक लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने तथा इसके ग्लेशियर्स की सुरक्षा की माँग कर रहे हैं और इसके लिए उन्होंने एक सितम्बर को "दिल्ली चलो पदयात्रा" शुरु की थी और मंगलवार को वे दिल्ली पहुँचे।
- वांगचुक ने खुद डिटेन किए जाने की जानकारी सोशल मीडिया पर दी। समूचे विपक्ष ने इस कृत्य के लिए मोदी सरकार की कड़ी आलोचना की है।
- वांगचुक अपनी मांगों के लिए लद्दाख में इसी वर्ष मार्च में 21 दिन का अनशन कर चुके हैं।

'हमारी अनुमति के बिना बुलडोज़र कार्यवाही नहीं होगी'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को राज्यों द्वारा दण्डात्मक उपाय के रुप में बुलडोज़रों से मकानों को गिराये जाने के खिलाफ दिशानिर्देश तैयार करने के आदेश जारी कर दिये।

- सुप्रीम कोर्ट ने अपराधियों के मकान तोड़ने की बुलडोज़र कार्यवाही पर लगाए गए स्टे की अवधि बढ़ा दी है।

अदालत ने ऐसी कई याचिकाओं की सुनवाई की, जिनमें यह आरोप लगाया गया है कि कई राज्यों में, सम्पत्तियाँ, जिनमें अपराधों के आरोपियों की सम्पत्तियाँ भी शामिल हैं, ध्वस्त की जा रही हैं। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई तथा के.वी. विश्वनाथन की बैंच ने 17 सितम्बर को कहा था कि 1 अक्टूबर तक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गोगुंदा में बारह दिन में 8 लोगों की जान ली आदमखोर पैंथर ने

मंगलवार को पैंथर ने गोगुंदा में अपने घर में पशुओं के बाड़े में काम कर रही महिला को अपना शिकार बनाया

उदयपुर, 1 अक्टूबर (निसं)। उदयपुर जिले के गोगुन्दा में आदमखोर पैंथर ने बीते 12 दिनों में 8 जानें ले ली हैं। मंगलवार को पैंथर घर के पशुओं के बाड़े में काम कर रही महिला को उठा ले गया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने इस पैंथर को गोली मारने के आदेश जारी किए हैं। हालांकि, सशर्त आदेश में पहले आदमखोर पैंथर की पहचान कर उसे ट्रैंकुलाइज़ करने के प्रयास किए जाएंगे। काबू में नहीं आने पर उसे गोली मारने के आदेश दिए गए हैं। पैंथर ने महिला को जिस स्थान पर शिकार बनाया, वहीं पर महिला के शव को रखकर उसके पास ही एक पिंजरा लगाया गया है, जिसमें शूटर को बिठाया गया है, ताकि जैसे ही पैंथर शिकार को लेने आये, उसे ट्रैंकुलाइज़ या शूट किया जा सके।

जिले के गोगुंदा क्षेत्र में आदमखोर पैंथर का आतंक इतना बढ़ गया कि आखिरकार मंगलवार को उदयपुर दौरे पर आये वन विभाग के प्रधान मुख्य वन सरंक्षक ने गोली मारने के आदेश जारी कर दिए। पुलिस और वन विभाग की टीम ने पूरे जंगल में पैंथर की तलाश शुरू कर दी है। पिछले 12 दिनों में 8 लोगों को अपना शिकार बनाने वाले पैंथर को पकड़ने में नाकाम रहे प्रशासन से नाराज ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे जाम करने की कोशिश की।

मंगलवार को मुख्य वन संरक्षक पवन कुमार उपाध्याय भी मौके पर पहुंचे। इनके अलावा, जिला कलेक्टर और जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल वहीं पर डेरा डाले हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह आठ बजे केलवों का खेड़ा गांव में महिला कमला कुंवर अपने घर के आंगन में काम कर रही थी। तभी, पैंथर ने उस पर हमला कर दिया। महिला की चीख-पुकार सुनकर परिवार के दूसरे लोग बाहर भागे तो पैंथर उसके शव को छोड़कर भाग गया। पैंथर महिला को घर से 100 मीटर दूर तक घसीट कर ले गया था। महिला का घर पहाड़ी पर है, उसके आसपास और कोई घर नहीं है। घर के पीछे पशुओं का बाड़ा है, उसमें महिला काम रही थी, जहाँ पैंथर ने उसपर हमला किया। परिवार वालों ने बताया कि महिला की गर्दन पैंथर के जबड़ों में थी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

वन विभाग की एक दर्जन से ज्यादा टीमें केलवों का खेड़ा गांव के जंगल में पैंथर को गोली मारने की तैयारी में जुटी हैं। टीम के साथ ढोल बजाने वाले भी हैं, जो जंगल में ढोल बजाकर आदमखोर पैंथर को दौड़ाएंगे। वन विभाग ने कहा है कि पैंथर को मारने से पूर्व उसकी सही पहचान सुनिश्चित की जाएगी।

ज्ञातव्य है कि एक दिन पहले भी बड़गांव थाना क्षेत्र के राठौड़ों का गुड़ा में रात को पैंथर ने मंदिर के पुजारी विष्णु गिरी (65) को मार डाला था। संभावना जताई जा रही है कि उसी पैंथर ने महिला पर हमला किया होगा। गांव में दो दिन में पैंथर द्वारा महिला सहित दो जनों की मौत के बाद दहशत का माहौल बना हुआ है।

झाड़ोल में एक बच्चे सहित दो जानें लेने के बाद किसी पैंथर का मूवमेंट नजर नहीं आ रहा। वहां दोनों घटनास्थलों पर 3-3 पिंजरे और 6-6 कैमरे अब भी लगे हैं। बिछीवाड़ा से 10 किमी और कीरट से 40 किमी दूर गोगुंदा की छाली पंचायत के उंडीथल में 19 सितंबर को पहला हमला हुआ था। 16 साल की कमला गमेती शिकार बनी थी। फिर, 19 सितंबर को उंडीथल से 700 मीटर दूर छाली के ही भेवडिया गांव में पैंथर ने खुमाराम गमेती (45) को मार डाला। इसके अगले दिन 20 सितंबर को छाली के ही उमरिया गांव में हमेरी गमेती की जान ले ली। इस दौरान 24 सितंबर को दो पिंजरों में दो पैंथर फंसे। एक 13 से 14 साल का बूढ़ा और दूसरा 7 से 8 साल का युवा है। दोनों को नरभक्षी माना गया। तथापि, इनके पकड़े जाने के बाद भी हमले नहीं थमे हैं। पच्चीस सितंबर को मजावद पंचायत में पैंथर ने 6 साल की बच्ची सूरज का शिकार किया। छब्बीस सितंबर को दोपहर तीन बजे झाड़ोल के सरणा फला में 50 साल के शंकर को पैंथर ने मार डाला। पैंथर ने 28 सितंबर को बगड़ूंदा पंचायत के गुर्जरों का गुड़ा में गड्डू बाई को शिकार बनाया। इसके अगले दिन 29 सितंबर को पैंथर पिंजरे में फंसा तो 30 सितंबर को एक पुजारी का शिकार हो गया। वहीं, मंगलवार को एक और महिला को अपना आठवां शिकार बनाकर आदमखोर पैंथर ने फिर दहशत फैला दी।

- पैंथर महिला पर हमला कर उसे घसीट कर ले गया। महिला की चीख सुनकर जब परिजन दौड़े तो पैंथर भाग गया, पर, तब तक महिला मर चुकी थी।
- वन विभाग के मुख्य वन संरक्षक ने पैंथर को देखते ही गोली मारने के आदेश दे दिए हैं। पूरे जंगल में पैंथर की तलाश की जा रही है।
- पैंथर को पकड़ने में वन विभाग और प्रशासन की नाकामी से गुस्साए ग्रामीणों ने हाइवे जाम करने की कोशिश की।

200 भारतीय शिक्षक फ्रैंच स्कूलों में अंग्रेजी पढ़ाएंगे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। भारत में फ्रांस के दूतावास ने इन्स्टीट्यूट फ्रांसे इंडिया (आई.एफ.आई.) तथा फ्रेंच मिनिस्ट्री ऑफ नैशनल एजुकेशन के सहयोग से 206 इंडियन लैंग्वेज असिस्टैंट्स के फ्रांस जाने की घोषणा

- ये शिक्षक 2024-25 शैक्षणिक सत्र में अक्टूबर से अप्रैल तक फ्रांस में रहेंगे और वहाँ के अंग्रेजी शिक्षकों की मदद करेंगे।

की है। ये लोग शैक्षिक सत्र 20424-25 में विभिन्न प्राइमरी एवं सैकेण्डरी स्कूलों में अंग्रेजी पढ़ाने फ्रांस जायेंगे।

इंग्लिश लैंग्वेज असिस्टैंट्स प्रोग्रेस के हिस्से के रूप में, ये लोग वहाँ अक्टूबर से अप्रैल तक रहेंगे तथा फ्रांस